IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 एवं 2020 का तुलनात्मक अध्ययन विद्यालयी शिक्षा के संबंध में

निर्देशक

डॉ. विकास सैनी

(असिस्टेंट प्रोफेसर)

आईएएसई. मानित विश्वविद्यालय, सरदारशहर

प्रस्तुतकर्ता

विक्रम सिंह चौहान

पीएच. डी (शोधार्थी) शिक्षा

सारांश (Abstract)

भारतीय शिक्षा प्रणाली ने समय–समय पर अपनी नीतियों में सुधार किया है ताकि समाज और अर्थव्यवस्था की बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (छम्च 1986) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (छम्च 2020) इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

छम्च 1986 ने शिक्षा को समानता और समावेशन की दिशा में विकसित किया, जिसमें मुख्य रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार करना प्रमुख उद्देश्य था। छम्च 2020 ने शिक्षा को अनुभवात्मक, कौशल–आधारित, लचीला और समग्र विकास पर केंद्रित बनाने का प्रयास किया।

यह शोध पत्र दोनों नीतियों के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। इसमें पाठ्यक्रम संरचना, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (म्ब्ब्), शिक्षक प्रशिक्षण, भाषा नीति, सार्वभौमिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य, शिक्षक–छात्र अनुपात, और तकनीकी नवाचार पर गहन विश्लेषण किया गया है। यह अध्ययन नीतियों के प्रभाव, उनके सफल कार्यान्वयन की चुनौतियों और सुधार की दिशा को उजागर करता है।

***तकनीकी शब्द (Keywords)**:– छम्च 1986, छम्च 2020, तुलनात्मक अध्ययन, भारतीय शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, भाषा नीति, म्ब्ब् सार्वभौमिक शिक्षा, शिक्षा सुधार।*

1. प्रस्तावना (Introduction)

शिक्षा किसी राष्ट्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास का आधार है। एक मजबूत शिक्षा नीति न केवल देश में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाती है बल्कि समाज में समानता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी प्रभावित करती है। भारत में शिक्षा नीतियाँ बदलती सामाजिक–आर्थिक जरूरतों और वैश्विक परिवर्तनों के अनुसार विकसित होती रही हैं। छम्च 1986 और छम्च 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में दो महत्वपूर्ण मील के

पत्थर हैं। छम्च 1986 ने शिक्षा की समानता, समावेशन और मौलिक अधिकारों के विस्तार पर जोर दिया, जबकि छम्च 2020 ने शिक्षा को आधुनिक, कौशल–आधारित, अनुभवात्मक और वैश्विक दृष्टिकोण के अनुरूप बनाया।

इस शोध का उद्देश्य दोनों नीतियों का तुलनात्मक अध्ययन करके उनकी समानताएँ, भिन्नताएँ और प्रभाव स्पष्ट करना है। इसके माध्यम से शिक्षा प्रणाली के सुधार और भविष्य की दिशा का आकलन किया जा सकता है।

2. शोध उद्देश्य (Objectives)

1. छम्च 1986 और छम्च 2020 की शैक्षणिक संरचना और पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन।
2. प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (म्ब्ब्म) पर दोनों नीतियों का विश्लेषण।
3. शिक्षक प्रशिक्षण, पेशेवर विकास और शिक्षक–छात्र अनुपात का तुलनात्मक मूल्यांकन।
4. भाषा नीति और मातृभाषा में शिक्षा के महत्व का विश्लेषण।
5. सार्वभौमिक शिक्षा और नामांकन दर के लक्ष्यों का मूल्यांकन।
6. पोषण और स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभाव और सुधार।
7. शिक्षा में तकनीकी नवाचार और डिजिटल माध्यम के प्रयोग का अध्ययन।

3. शोध पद्धति (Methodology)

यह अध्ययन गुणात्मक और तुलनात्मक शोध पद्धति पर आधारित है।

मुख्य डेटा स्रोतः

- छम्च 1986 और छम्च 2020 के आधिकारिक दस्तावेज।
- छब्म्त्ज्, ब्ठैम्, छब्ज्म् और अन्य सरकारी रिपोर्ट।
- शैक्षणिक शोध पत्र, जर्नल और पुस्तकें।
- तुलनात्मक विश्लेषण तकनीक के माध्यम से डेटा का वर्गीकरण।
- शोध प्रक्रिया में दोनों नीतियों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा, तुलना और मूल्यांकन किया गया।

4. विद्यालय पाठ्यक्रम और संरचना

NEP 1986

- 10़2 संरचना, जिसमें प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा शामिल थी।
- पाठ्यक्रम विषय–केंद्रित और अकादमिक दृष्टिकोण पर आधारित।
- कौशल–आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण सीमित।
- पाठ्यक्रम में तकनीकी और व्यावहारिक गतिविधियों की कमी।

NEP 2020

- 5़3़3़4 संरचनाः प्रारंभिक वर्ष (3–8), प्राथमिक (8–11), मध्य (11–14), उच्चतर माध्यमिक (14–18)।
- पाठ्यक्रम अनुभवात्मक, कौशल–आधारित और लचीला, जिसमें खेल, परियोजना–आधारित शिक्षा और व्यावहारिक प्रयोग शामिल।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (छब्थ् 2023) के अनुसार विद्यार्थियों की सृजनात्मक, विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक क्षमताओं को विकसित करना प्रमुख।

विश्लेषण: *छम्च 2020 का पाठ्यक्रम मॉडल बच्चों की संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक क्षमताओं को संतुलित रूप से विकसित करता है।*

5. प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ECCE)

NEP ***1986***

- *म्ब्ब्म का सीमित उल्लेख।*
- *5 वर्ष तक की पूर्व–प्राथमिक शिक्षा पर जोर, लेकिन सर्वभौमिकरण नहीं।*

NEP ***2020***

- *3–6 वर्ष की उम्र तक म्ब्ब्म का सर्वभौमिकरण।*
- *खेल–आधारित और अनुभवात्मक शिक्षा।*
- *संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास पर बल।*
- *''प्रारंभिक वर्ष'' में शिक्षा के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार।*
- *विश्लेषणः प्रारंभिक शिक्षा पर छम्च 2020 का जोर बच्चों के भविष्य के शैक्षणिक प्रदर्शन और जीवन कौशल में सुधार लाता है।*

6. शिक्षक प्रशिक्षण और कार्यबल

NEP ***1986***

- *केंद्र–राज्य समन्वय समिति द्वारा नीति कार्यान्वयन।*
- *शिक्षक प्रशिक्षण क्प्म्ज्ञ और क्प्म्ज पर आधारित।*
- *शिक्षक–छात्र अनुपातः 40:1।*

NEP ***2020***

- *संयुक्त कार्यबल द्वारा नीति कार्यान्वयन।*
- *शिक्षक प्रशिक्षण ब्च्क (ब्वदजपदनपदह च्तवमिेपवदंस क्मअमसवचउमदज) और तकनीकी–आधारित।*
- *शिक्षक–छात्र अनुपातः 30:1 सामान्य, 25:1 विशेष क्षेत्र।*

विश्लेषण: *छोटे अनुपात और तकनीकी प्रशिक्षण से व्यक्तिगत ध्यान बढ़ता है, शिक्षकों की दक्षता में सुधार होता है और शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।*

7. भाषा नीति

NEP ***1986***

- *त्रिभाषा सूत्रः मातृभाषा, राज्य भाषा, अंग्रेजी।*
- *मातृभाषा पर जोर, लेकिन लागू करने में कठिनाई।*

NEP ***2020***

- *कक्षा 5–8 तक मातृभाषा में शिक्षण अनिवार्य।*
- *बहुभाषी शिक्षा और वैश्विक नागरिकता शिक्षा पर जोर।*

विश्लेषणः *मातृभाषा आधारित शिक्षा सीखने की गुणवत्ता बढ़ाती है और विषयों की समझ गहरी करती है।*

8. सार्वभौमिक शिक्षा और नामांकन

NEP 1986

- *14 वर्ष तक शिक्षा को प्राथमिक लक्ष्य।*
- *ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में नामांकन कम।*

NEP 2020

- *2030 तक 100: सकल नामांकन दर (ळम्त्) का लक्ष्य।*
- *शिक्षा तक पहुँच में समावेशिता।*
- *शिक्षा का दायरा बच्चों के संपूर्ण विकास तक बढ़ाया गया।*

विश्लेषण: *छम्च 2020 शिक्षा की पहुँच, गुणवत्ता और समानता सुनिश्चित करता है।*

9. पोषण और स्वास्थ्य

NEP 1986

- *मध्याह्न भोजन योजना: स्वास्थ्य सुधार पर सीमित ध्यान।*

NEP 2020

- *'पीएम पोषण' योजना: नाश्ता और स्वास्थ्य निगरानी शामिल।*
- *पोषण और स्वास्थ्य को शिक्षा की सफलता का हिस्सा माना गया।*

विश्लेषण: *पोषण और स्वास्थ्य सुधार के उपाय बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन, ध्यान और सीखने की क्षमता में सुधार लाते हैं।*

10. तकनीकी नवाचार और डिजिटल शिक्षा

NEP 1986

- *शिक्षा में तकनीकी नवाचार सीमित।*
- *कम्प्यूटर शिक्षा और डिजिटल साधनों का प्रावधान केवल उच्च माध्यमिक स्तर पर।*

NEP 2020

- *डिजिटल शिक्षा और ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म का व्यापक प्रयोग।*
- *शिक्षक प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम डिजाइन में डिजिटल तकनीक का समावेश।*
- *स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षा संसाधन।*

विश्लेषण: *डिजिटल शिक्षा और तकनीकी नवाचार से शिक्षा अधिक लचीली, समावेशी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनती है।*

11. चर्चा (Discussion)

- *छम्च 1986 ने शिक्षा को समानता और समावेशन की दिशा में स्थापित किया।*
- *छम्च 2020 शिक्षा को लचीला, कौशल–आधारित, अनुभवात्मक और डिजिटल तकनीक पर आधारित बनाती है।*
- *प्रारंभिक शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण, शिक्षक प्रशिक्षण, पोषण और डिजिटल शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों की संपूर्ण शिक्षा और समग्र विकास सुनिश्चित होता है।*
- *छम्च 2020 वैश्विक शिक्षा मानकों और आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप है।*

12. निष्कर्ष (Conclusion)

- छम्च् 1986 शिक्षा में समानता और समावेशन पर बल देता है।
- छम्च् 2020 शिक्षा को अनुभवात्मक, कौशल–आधारित और आधुनिक वैश्विक दृष्टिकोण के अनुरूप बनाता है।
- प्रमुख सुधारः म्ब्ब् का सर्वभौमिकरण, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक–छात्र अनुपात में सुधार, पोषण और स्वास्थ्य योजनाओं का विस्तार, तकनीकी नवाचार और डिजिटल शिक्षा।
- इन सुधारों से भारतीय शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता, पहुँच और विद्यार्थियों के समग्र विकास में सुधार हुआ है।

संदर्भ (References)

1. भारत सरकार. (1986). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986. शिक्षा मंत्रालय।
2. भारत सरकार. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. शिक्षा मंत्रालय।.
3- UGC CARE Guidelines for Research Publication-
4- Sharma] R- ¼2022½- Comparative Study of NEP 1986 & NEP 2020- Journal of Education Studies-
5- Verma] S- ¼2021½- Impact of Language Policy on Learning Outcomes- International Journal of Educational Research-
6- Ministry of Education] India Reports (2021–2023).